केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 22 रविवार 11 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डीएलएड परीक्षाएं सम्पन्न, अनुपस्थित रहे 230 परीक्षार्थी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद के सात परीक्षा केन्द्रों पर शनिवार को डीएलएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं संपन्न हुई। अन्तिम दिन की परीक्षा में कुल 230 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने बताया कि अन्तिम दिन तीन पालियों में परीक्षा सम्पन्न हुई। जिसमें प्रथम पाली में हिन्दी द्वितीय पाली में संस्कृत या उर्दू और तृतीय पाली में कंप्यूटर विषय की परीक्षा हुई। प्रथम पाली में 2013 में 76, द्वितीय पाली में 2009 में 75 और तृतीय पाली में 2002 में 79 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज प्रथम पाली में 12, द्वितीय पाली में 12 तथा तृतीय पाली में भी 12, खैर इंडस्ट्रियल इंटर कॉलेज प्रथम पाली में 14, द्वितीय पाली में 14 तथा तृतीय पाली में भी 14, बेगम खैर इंटर कॉलेज प्रथम पाली में 10 द्वितीय पाली में 10 तथा तृतीय पाली में भी 10, जीआरएस इंटर कॉलेज प्रथम पाली में 11, द्वितीय पाली में 11 तथा तृतीय पाली में भी 11, श्री कृष्ण पाण्डेय इंटर कॉलेज प्रथम पाली में 9, द्वितीय पाली में भी 6 तथा तृतीय पाली में 10, हंसराज लाल इंटर कॉलेज प्रथम पाली में 7, द्वितीय पाली में 10 तथा तृतीय पाली में 10, शिवहर्ष किसान इंटर कॉलेज प्रथम पाली में 13, द्वितीय पाली में 12 तथा तृतीय पाली में 12 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस तरह कुल मिलाकर तीनों पालियों में कुल 230 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने बताया कि सोमवार से डीएलएड तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू होगी जो बुधवार तक चलेंगी।

सुलेख व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

पौली (संतकबीर नगर)। काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के अवसर पर ब्लाक क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार पर ब्लाक स्तरीय सुलेख व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय के 93 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

शनिवार को एआरपी व शिक्षको की निगरानी में प्रतियोगिता शुरू हुआ। जिसमें सुलेख में प्राथमिक विद्यालय के 49 और निबंध प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक विद्यालय के 44 छात्र–छात्राएं सामिल हुई। एआरपी राजेंद्र यादव, हरीराम यादव, राजेश गुप्ता व प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष उदय प्रताप यादव, भोलेंद्र नाथ यादव की निगरानी में मूल्यांकन हुआ। जिसमें प्राथमिक स्तर में प्राथमिक विद्यालय बगही की कक्षा 5 की छात्रा आस्था को प्राथम स्थान, कंपोजिट विद्यालय पैतवलिया खुर्द की 5 की छात्रा रागिनी को द्वितीय व प्राथमिक विद्यालय बगही की 5 की छात्रा डिम्पल को तृतीय स्थान मिला। उच्च प्राथमिक स्तर पर कंपोजिट विद्यालय तिलकुपुर की 7 की छात्रा शालिनी, कंपोजिट विद्यालय अजांव की 8 की छात्रा सौम्या सिंह को द्वितीय स्थान व उच्च प्राथमिक विद्यालय गोविंदगंज की कक्षा 8 की छात्रा आकांक्षा यादव को तृतीय स्थान मिला। खंड शिक्षा अधिकारी के मार्ग दर्शन में प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में आदर्श मणि त्रिपाठी, विपिन कुमार, रतीभान चौधरी, मनीराम मौर्य, राम मोहन शुक्ल, शिवकुमार, मुबारकअली, रामगोपाल, बद्री विशाल गौतम, सूर्यभान, पंकज, कौशलेंद्र प्रताप सिंह, नरेंद्र, रामलखन, राकेश कुमार, सरोज यादव, गीता, कुंदन यादव, उर्मिला देवी, एकता त्रिपाठी, बालवीर, राहुल पांडेय, ऋषि शंकर, आलोक कुमार पांडेय, कमरे आलम, राजन सिंह सहित तमाम शिक्षक उपस्थित रहे। खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने बताया कि एक दिन पूर्व सभी विद्यालयों पर सुलेख व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था। प्रत्येक विद्यालयों से प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विजेता बच्चो को ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग किए थे।

वायनाड में पीड़ितों से मिले पीएम मोदी

वायनाड (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले पहुंचे। उन्होंने चूरलमाला में पैदल चलकर आपदा से हुए नुकसान का आकलन किया। अधिकारियों ने बताया कि मोदी कन्नूर हवाई अड्डे से वायुसेना के हेलीकॉप्टर के जरिए वायनाड पहुंचे। 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं से प्रभावित चूरलमाला क्षेत्र में उन्होंने पैदल चलकर नुकसान का जायजा लिया। इससे पहले, पीएम मोदी ने भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से भूस्खलन प्रभावित चूरलमाला, मुंडक्कई और पुंचिरीमट्टम का हवाई सर्वे किया था।

अधिकारियों के मुताबिक, हवाई सर्वे के बाद पीएम मोदी का हेलीकॉप्टर कलपेट्टा में एसकेएमजे विद्यालय में उतरा। यहां से वह सड़क मार्ग से चूरलमाला के लिए रवाना हुए। चूरलमाला में सेना ने आपदा के बाद राहत और बचाव कार्यों में मदद के लिए 190 फुट लंबा बेली ब्रिज बनाया है। मोदी नुकसान का जायजा लेते हुए इस पुल से पैदल गुजरे। पीएम मोदी ने बचाव कर्मियों, राज्य के मुख्य सचिव वी वेणु और जिले के अधिकारियों से बातचीत की, फिर पैदल ही पत्थरों और मलबे से भरे क्षेत्र का सर्वेक्षण किया।

इस दौरान केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और केंद्रीय पर्यटन व पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी भी उनके साथ थे।

पूर्व डीएम समेत यूपी के 8 अफसरों के गिरफ्तारी की तैयारी

लखनऊ (आभा)। आय से अधिक संपत्ति और अवैध खनन कराने में यूपी के कई आईएएस अफसर फंस गए हैं। चित्रकूट के तत्कालीन डीएम ओम सिंह देशवाल, पूर्व सीडीओ भूपेंद्र त्रिपाठी समेत पांच अफसरों और चार कर्मचारियों पर एफआईआर के बाद शिकंजा कस गया है। आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तारी करने की तैयारी हो रही है। शिकायत के बाद दो साल तक चली जांच में झांसी की विजिलेंस इकाई ने 27 अधिकारियों–कर्मचारियों से पूछताछ की। केस में 369 फाइलें खंगाली गईं। आरोपियों की संपत्ति का ब्योरा, रजिस्ट्री कार्यालय से चल–अचल संपत्ति, बैंक खातों की डिटेल और बाजार में निवेश की पड़ताल की गई। ठोस सुबूत मिलने के बाद विजिलेंस ने भ्रष्टाचार उन्मूलन अधिनियम समेत आईपीसी की धारा 420, 120–बी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई। फिलहाल सभी आरोपी रिटायर हो चुके हैं।

वर्ष 2004 से 2010 तक चित्रकूट में डीएम रहे ओम देशवाल, सीडीओ भूपेंद्र त्रिपाठी, परियोजना निदेशक प्रेमचंद्र द्विवेदी, सोमपाल, सहायक अभियंता बुद्धिराम चौधरी समेत नौ के खिलाफ अवैध खनन कराने की शिकायत की गई थी। शासन के आदेश पर विजिलेंस टीम ने मई 2022 में जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि 2001 में पंजीकरण रद्द होने के बावजूद फैजाबाद स्थित एनजीओ, पर्यावरण और ग्रामीण विकास इंजीनियरिंग सेवा संस्थान को जनवरी 2003 से मार्च 2004 के बीच सरकारी धन का भुगतान किया गया।

इन निधियों को स्थानीय क्षेत्र विकास योजना, संपूर्ण रोजगार योजना और एकीकृत विकास कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यों के लिए आवंटित किया गया था। जांच में खुलासा हुआ कि स्वीकृत परियोजनाओं में से कोई भी धरातल पर नहीं उतरी और पैसा फिर भी दे दिया गया। इसमें सांसद निधि से 1.02 लाख, संपूर्ण रोजगार योजना से 14.57 लाख, आईआरडीपी फंड से 3.38 लाख समेत 18.97 लाख रुपये का गोलमाल किया गया।

बूथ स्तर पर स्वाधीनता दिवस पर्व मनायेगा भाजपा किसान मोर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की बैठक पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में स्वाधीनता दिवस का पर्व उल्लास से मनाये जाने और बूथ स्तर पर महापुरूषों के प्रतिमाओं की साफ, सफाई, ध्वजारोहरण के साथ ही पार्टी नेतृत्व के दिशा निर्देश के अनुरूप तिरंगा यात्रा निकाले जाने का निर्णय लिया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के निर्देश के अनुरूप स्वतंत्रता दिवस का पर्व उल्लास के साथ मनाया जायेगा।

भाजपा किसान मोर्चा गोरक्ष प्रान्त अध्यक्ष गोपेश्वर त्रिपाठी ने कहा कि देश को आजादी मिली किन्तु हमें धर्म आधारित विभाजन का शिकार होना पड़ा। मोर्चा द्वारा 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका दिवस मनाकर लोगों को स्वतंत्रता आन्दोलन के साथ ही विभाजन से हुये जान माल के नुकसान, तत्कालीन राजनीतिक सन्दर्भों की जानकारी दी जायेगी।

मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने बताया कि विभाजन विभिषिका दिवस मनाये जाने के साथ ही स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण के साथ ही तिरंगा यात्रा निकालने के लिये तहसील, ब्लाक और बूथ पदाधिकारियों को निर्देश दे दिया गया है।

यह जानकारी देते हुये भाजपा किसान मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी अजीत शुक्ल ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से रामानन्द शुक्ला 'नन्हे', आत्मा प्रसाद पाठक, लव कुश चौबे, सतीश पाण्डेय, वरुण पाण्डेय, ,मनोज सिंह, दिग्विजय सिंह, विमल पाण्डेय, चीकू पाण्डेय, रजनीश चौधरी, अंकित पाण्डेय, अशोक उपाध्याय के साथ ही मोर्चा के अनेक पदाधिकारी, सदस्य शामिल रहे।

दो ग्राम पंचायतों में वित्तीय अनियमितता का आरोपः लोकपाल तक पहुंची शिकायत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद के सल्टौआ विकास खण्ड के ग्राम पंचायत अमरौली शुमाली एवं गौर विकासखंड के बलुआ चौबे में हुए वित्तीय अनियमितिता को लेकर शिकायतकर्ता सौरभ वीपी वर्मा ने शासन में शिकायत की है ।वहीं मनरेगा में हुए वित्तीय अनियमितता की जांच के लिए लोकपाल से दूसरी शिकायत अलग से की गई है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि ग्राम पंचायत अमरौली शुमाली में राज्य वित्त और केंद्रीय वित्त के पैसे को अनियमिति तरीके से भुगतान किया गया है जिसमें नाली मरम्मत के नाम पर करीब चार लाख रुपये का भुगतान किया गया है जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा पुराने और नए खरीदे गए ईंटों के सत्यापन की मांग की है। वहीं ग्राम प्रधान गायत्री देवी और उनके रिश्तेदार दिलीप कुमार के खाते में 3,80000 रुपये मजदूरी के पैसे का भुगतान नियम विरुद्ध तरीके से होने का आरोप लगाया गया है।

इसी के साथ गौर विकास खण्ड के बलुआ चौबे ग्राम पंचायत में 7 लाख 20 हजार रुपये का भुगतान हैंडपंप मरम्मत पर एवं 3 लाख रुपये का भुगतान ह्यूम पाइप पर हुआ है जबकि पूरा भुगतान विभिन्न स्थानों का नाम दिखा कर लिया गया है ,ग्राम पंचायत में विभिन्न स्थानों का नाम दिखा कर सोख्ता निर्माण पर भुगतान हुआ है शिकायतकर्ता ने तीनों बिंदुओं पर उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए बताया कि ग्राम पंचायत में निधि के धन का बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है ।

शिकायतकर्ता सौरभ वीपी वर्मा द्वारा ग्राम पंचायत अमरौली शुमाली एवं बलुआ चौबे में मनरेगा पर हुए कार्य की उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है । लोकपाल से की गई शिकायत में बताया गया कि मनरेगा कार्य पर जारी हुए मस्टरोल के दौरान जिन तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया है उनमें ऑनलाइन हाजिरी के दौरान पोर्टल पर एक ही फोटो को कई बार मोबाइल द्वारा फोटो खींच कर अपलोड किया गया है । इसके अलावा शिकायतकर्ता द्वारा कहा गया कि मनरेगा कार्य डिमांड पर लगाये गए हस्ताक्षर एवं जारी हुए मस्टरोल पर लगाए गए अंगूठे के निशान मनरेगा मजदूरों के नही हैं उसमें एक या दो व्यक्तियों द्वारा कार्य डिमांड और जारी हुए मस्टरोल पर अंगूठे के निशान फर्जी तरीके से लगा दिए गए हैं। शिकायतकर्ता ने कार्य डिमांड और जारी हुए मस्टरोल पर अंगूठे के निशान की जांच के लिए फोरेंसिक दस्तावेज जांच एवं फिंगरप्रिंट सत्यापन के लिए मनरेगा लोकपाल से शिकायत की गई है ।

इस संबंध में जिलाधिकारी कार्यालय बस्ती द्वारा बताया गया कि कुछ बिंदुओं को लेकर ग्राम पंचायत अमरौली शुमाली और बलुआ चौबे ग्राम पंचायत में हुए वित्तीय अनियमितिता के आरोप को लेकर एक पत्र प्राप्त हुआ है इसको संबंधित खंड विकास अधिकारी को भेज कर रिपोर्ट मांगी गई है ।

जयन्ती पर समाजवादियों ने वीरांगना फूलनदेवी को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सदर विधायक एवं सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में आयोजित संगोष्ठी में वीरांगना फूलनदेवी को उनकी जयन्ती पर याद किया गया।

सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि शोषण, उत्पीड़न, जुल्म की शिकार होने के बाद डकैत से सांसद बनीं फूलन देवी राजनेता थीं। उन्होंने निषाद समाज के हित में काफी कुछ किया। 1996 में वह सांसद बनीं। कहा कि निषाद समुदाय को राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक स्तर पर जागना होगा। सपा निषाद समाज के उत्थान, उन्हें अधिकार दिलाने के लिये लगातार संघर्षरत है, यही फूलनदेवी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

–निषाद समाज का उत्थान सपा की प्राथमिकता–महेन्द्रनाथ यादव

विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, रूधौली नगर पंचायत अध्यक्ष धीरसेन निषाद, आर. डी. निषाद, समाजवादी चिन्तक चन्द्रभूषण मिश्र, हरेश्याम विश्वकर्मा, रामशंकर निराला, मो. स्वालेह, जावेद पिण्डारी, समीर चौधरी, आदि ने पूर्व सांसद फूलनदेवी के चित्र पर माल्यार्पण के बाद कहा कि सामाजिक प्रताड़ना और जुल्म, अत्याचार के खिलाफ डाकू बनकर फूलनदेवी ने सोये हुये निषाद समाज को जगाने की भूमिका निभायी, वे सांसद बनी किन्तु नियति को कुछ और ही मंजूर था, 25 जुलाई 2001 को नई दिल्ली में उनकी हत्या कर दी गई। कहा कि फूलनदेवी के शरीर की हत्या भले हो गई हो किन्तु उनके विचार, संघर्ष सदैव लोगों को प्रेरणा देते रहेंगे। उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का दायित्व समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मार्ग दर्शन में पूरी निष्ठा से निभा रही है। इसी कड़ी में महादेवा विधानसभा क्षेत्र के सोनिहा घाट पर सपा नेता नन्दलाल यादव के संयोजन में वीरांगना फूलनदेवी को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। कार्यक्रम में सपा विधायक महेन्द्रनाथ यादव के साथ ही अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे। वीरांगना फूलनदेवी को उनकी जयन्ती पर याद करने वालों में मुख्य रूप से विजय विक्रम आर्य, गीता भारती, संतराम आर्य, गुलाब चन्द्र सोनकर, प्रशान्त यादव, रामचन्दर यादव, संजय गौतम, चन्द्रिका यादव, वैजनाथ शर्मा, डी.आर.एस. यादव, प्रेमचन्द्र, राहुल सिंह, युनूस आलम, रमेश गौतम, संतराम आर्य, राम उजागिर वर्मा, कैश मोहम्मद के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

आतंकियों से मुठभेड़ में 2 जवान शहीद

श्रीनगर (आभा)। जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ के दौरान अब तक दो जवान बलिदान हो गए हैं जबकि तीन घायल हैं। जिन्हें इलाक के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अनंतनाग के अहलान गगरमंडू इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई थी।

मिली जानकारी के मुताबिक, अहलान इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ तब शुरू हुई जब आतंकवादियों की ओर से खोजी टीम पर फायरिंग की गई। इसके जवाब में जवानों ने भी फायरिंग की।

इससे पहले बीती छह अगस्त को बसंतगढ़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच शाम चार बजे के करीब मुठभेड़ शुरू हुई थी।

गणित किट प्रशिक्षण के दो बैच में 400 शिक्षक प्रशिक्षित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में शनिवार को जनपद के प्राथमिक शिक्षकों के गणित किट प्रशिक्षण के अंतिम बैच का समापन हुआ। दो बैचों में समस्त ब्लॉकों के कुल 400 शिक्षकों के गणित किट का प्रशिक्षण पूरा हुआ। प्रशिक्षण के उपरांत डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल, नोडल प्रवक्ता अलीउद्दीन खान और संदर्भदाता शिक्षक हरेंद्र यादव, बालमुकुंद और अनूप सिंह द्वारा शिक्षकों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया।

प्रशिक्षण समापन के अवसर पर डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने प्रतिभागी शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत बनाने में शिक्षकों की भूमिका अहम होगी। किसी देश के विकास में शिक्षा और सीखने के साथ–साथ अच्छे नैतिक मूल्यों पर बहुत ध्यान दिया जाना चाहिए और इस प्रक्रिया में सहायता करने के लिए शिक्षक से अधिक उपयुक्त कोई नही है। शिक्षकों के बिना, ज्ञान और नैतिकता दोनों को नुकसान होगा। हमें आने वाली पीढियां को रोजगार देने के लिए मेहनत करना पड़ेगा। शिक्षकों का यह कर्तव्य है कि वह बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दें। नोडल प्रवक्ता अलीउद्दीन ने कहा कि इस प्रशिक्षण में शिक्षक मात्र एक माध्यम है इसका प्रमुख उद्देश्य बच्चों को गणित किट के सही प्रयोग की जानकारी देना है। प्रशिक्षण के अन्तिम दिन संदर्भदाता हरेंद्र यादव, बालमुकुंद और अनूप सिंह ने स्थानीय मान एवं विस्तार, ब्लॉक्स, घड़ी, पासा के अंतर्गत पासो के प्रकार आदि के बारे विस्तृत जानकारी दिया।

डॉ गोविन्द प्रसाद, शशिदर्शन त्रिपाठी, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, वन्दना चौधरी, रविनाथ त्रिपाठी, इमरान खान, कल्याण पाण्डेय, कुलदीप चौधरी, अमनसेन, हरिकृष्ण उपाध्यक्ष, अमरजीत, अन्नपूर्णा, पूजा गुप्ता, विमल आनंद, विनय गौतम, पूर्णिमा शुक्ला, अरुण दुब, शीतल, रामेश्वर, अभिषेक, त्रिलोकी, जया, साक्षी, चंदन पाण्डेय, सौम्या सिंह आदि उपस्थित रहे।

सपा फ्रन्टल संगठनों ने चलाया सदस्यता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर समाजवादी पार्टी छात्र सभा जिलाध्यक्ष अजय यादव, युवजन सभा जिलाध्यक्ष विपिन त्रिपाठी, लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष रहमान सिद्दीकी, मुलायम सिंह यूथ विग्रेड के महासचिव मो. हारिश के संयोजन में कम्पनी बाग के पास स्थित शिव मंदिर के निकट सदस्यता अभियान चलाया गया। पहले दिन 150 सदस्य बनाये गये।

सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव, मुलायम सिंह यूथ विग्रेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहन गंगवार, सचिव डी. आर.यादव, समाजवादी पार्टी छात्र सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव, सपा नेता विपिन सिंह, जमील अहमद, अरविन्द सोनकर, मो. युनूस, राम सिंह यादव आदि ने सदस्यता अभियान में हिस्सा लेते हुये कहा कि फ्रन्टल संगठनों के पदाधिकारी सपा के नीति और कार्यक्रमों से युवाओं, बेरोजगारों के साथ ही जन–जन को जोड़े।

सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा संगोष्ठी, पीडीए पौधरोपण के साथ ही जो कार्यक्रम दिये गये हैं उसे पूरी तन्मयता से पूरा किया जाय।

सदस्यता अभियान में मुख्य रूप से अमृत पाल सिंह सनम, राम अशीष वर्मा, संदीप निषाद, जहीर खान, अभिषेक पाठक, आयुष पाण्डेय, संदीप यादव, विवेक शुक्ल के साथ ही फ्रन्टल संगठनों के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

मां सती प्राचीन मंदिर में हुआ धार्मिक अनुष्ठानःमंदिर के अधूरे कार्यो को पूर्ण करने का लिया संकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नाग पंचमी के अवसर पर श्री मनोकामना मां सती प्राचीन मंदिर मुरलीजोत में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में विश्व हिन्दू महासंघ अध्यक्ष अखिलेश सिंह, शिव सेना जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय, आदि ने भव्य मंदिर बनाने, वाउन्ड्रीवाल पूरा कराये जाने आदि पर जोर दिया गया।

श्री मनोकामना मां सती प्राचीन मंदिर मुरलीजोत में भजन, कीर्तन के साथ ही अनेक आध्यात्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुये। सती माता सेवक एवं विश्व हिन्दू महासंघ के नगर उपाध्यक्ष राजेश कसौधन ने बताया कि मुरलीजोत में प्राचीन काल से सती माता की विधि विधान से पूजा किया जाता है। बीच में कुछ बाधायें आयी जिन्हें परस्पर सहयोग से दूर कर लिया गया है। बताया कि कार्यक्रम में सती माता मंदिर के अधूरे निर्माण को पूरा कराये जाने का निर्णय लिया गया है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजकुमार मंन्टू चौधरी, विन्दू गोपाल त्रिपाठी, जगत मोहन सिंह, विजय शंकर शुक्ल, अमरजीत सिंह, राकेश सिंह, राघवेन्द्र विश्वकर्मा, सतीश पाण्डेय, मुन्ना सिंह, बाल कृष्ण सिंह, विष्णु प्रताप सिंह, चन्द्रेश पाठक, सौरभ त्रिपाठी, प्रवीन आहूजा, चन्दन कन्नौजिया, आलोक कसौधन, विपिन सिंह, अभिषेक राना, रितुराज सिंह, रोशनी यादव, के साथ ही अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

छात्रों को दिलाया फाइलेरिया रोग से मुक्ति का शपथ, खिलायी दवा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को सरस्वती बालिका विद्या मंदिर रामबाग में रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल तथा स्वास्थ्य विभाग की तरफ से फाइलेरिया कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों में दवा खिलाने का कार्य मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर. एस. दूबे द्वारा शुरू किया गया।

इस अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी आई.ए. अंसारी, बस्ती यूनिसेफ पाथ अर्बन कोऑर्डिनेटर सचिन चौरसिया प्रधानाचार्य प्रियंका सिंह प्रधानाचार्य जीजीआईसी नीलम सिंह , रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल की चार्टर अध्यक्ष मुनीरूद्दीन, मनीष कुमार सिंह आदि ने बच्चों को फाइलेरिया की दवा खिलाने के साथ ही फाइलेरिया रोग से मुक्ति के लिए शपथ दिलवाया।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि 10 अगस्त से 2 सितम्बर तक टीम द्वारा घर–घर फाइलेरिया की दवा खिलाई जाएगी । फाइलेरिया की दवा खाली पेट नहीं खाना है 2 वर्ष से नीचे बच्चों को नहीं खाना है यह दवा टीम के द्वारा खुद खिलाई जाए। यह जानकारी देते हुये रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल के सचिव एवं कार्यक्रम संयोजक एल.के. पाण्डेय ने बताया कि कार्यक्रम में आचार्य श्रीमती मंजुला श्रीवास्तव श्रीमती प्रेमावती श्रीवास्तव श्रीमती ज्योति सिंह श्रीमती ज्योति खरे के साथ ही बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 अगस्त 2024 रविवार

सम्पादकीय

मनीष सिसोदिया को जमानत

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को सर्वोच्च न्यायालय में मिली जमानत राजनीतिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय राजधानी के व्यापक समाज ने एक समय मनीष सिसोदिया को भी बहुत उम्मीद के साथ देखा था। नैतिकता के बल से ही वह अपने नेता अरविंद केजरीवाल के साथ एक वैकल्पिक ताकत बनकर उभरे थे। वह लगभग 17 महीनों की जद्दोजहद के बाद जेल से बाहर आए हैं। न्यायालय ने पूरी तरह से आश्वस्त होने के बाद ही दिल्ली के पूर्व उप–मुख्यमंत्री को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मामलों में जमानत दी है। दरअसल, पहले ही लगने लगा था कि सिसोदिया को ज्यादा समय तक सलाखों के पीछे रखना जांच एजेंसियों के लिए संभव नहीं होगा। आश्चर्य नहीं कि न्यायमूर्ति बीआर गवई और के वी विश्वनाथन की पीठ ने जमानत याचिका को विचारणीय मानते हुए कहा कि सिसोदिया को अब जमानत मांगने के लिए सुनवाई अदालत भेजना न्याय का मखौल होगा। वास्तव में, यह सिसोदिया के लिए पूरी रिहाई नहीं है, उन्हें आरोप मुक्त होने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ सकता है। हालांकि, यह माना जा रहा है कि सशर्त नियमित जमानत उनकी राजनीतिक ताकत को लौटा लाएगी।

प्रवर्तन निदेशालय जमानत से खुश नहीं है, अंततरू उसकी कोशिश थी कि सिसोदिया को दिल्ली सचिवालय या मुख्यमंत्री कार्यालय जाने से रोका जाए, पर न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय की याचना पर ध्यान नहीं दिया। अब यह इतिहास में दर्ज हो गया है कि सीबीआई और ईडी ने आखिर तक यही प्रयास किया कि जमानत न हो सके, पर सर्वोच्च न्यायालय पहुंचकर जमानत मांगने की यह तीसरी कोशिश रंग लाई है। वैसे, एजेंसियों को जमानत रोकने पर जोर लगाने के बजाय दोष सिद्ध करने पर जोर देना चाहिए था, अगर पूरे प्रमाण के साथ मुकदमा शुरू हो जाता, तो सिसोदिया का बाहर आना मुश्किल हो जाता। अतरू परोक्ष रूप से ईडी व सीबीआई की सुस्त चाल ने सिसोदिया की रिहाई को मुमकिन बनाया। एक पूर्व उप–मुख्यमंत्री को लगभग 17 महीने जेल में रखने के बावजूद सुनवाई और सजा की प्रक्रिया का किसी मुकाम पर न पहुंच पाना चिंता व विचार का विषय है। चिंता इसलिए कि जांच एजेंसियों की ऐसी कार्रवाई पर देश का खूब समय और संसाधन खर्च होता है, पर लोग कोई ठोस धारणा नहीं बना पाते हैं। एक लंबी फेहरिस्त है, ऐसे नेताओं की, जो सनसनीखेज ढंग से फंसे, जेल गए और बाहर निकल आए। एजेंसियां देखती रह गईं। इसी फेहरिस्त में अब एक नया नाम जुड़ गया है।

कुल मिलाकर, अभी न दूध का दूध हुआ है और न पानी का पानी। इंतजार करना होगा। यह भारतीय राजनीति के लिए चिंता की बात है। शक की चादर ओढ़े न जाने कितने नेता सक्रिय हैं। गौर कीजिए, तो राजनीतिक बिरादरी भी अपनी पूरी सफाई के पक्ष में नहीं है। सबके पास अपने–अपने दागी हैं, जिनके बचाव की त्रासद राजनीति लोगों और लोकतंत्र के समग्र विश्वास में सेंध लगा रही है। दाग छुड़ाने के बजाय छिपाने की राजनीति अब पीछे छूट जानी चाहिए। देश में विकास की गति बढ़ गई है, तो नेताओं से उम्मीदें भी बढ़ गई हैं, पर क्या जांच व कानून–व्यवस्था लागू करने वाली एजेंसियां देश के साथ कदमताल के लिए तैयार हैं?

आम मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि भारत को 2027 तक विकसित राष्ट्र बनाना है तो एक–एक बच्चे के लिए शानदार सरकारी स्कूल और निजी स्कूलों के फीस को कंट्रोल में रखना होगा. अगर कोई यह कहता है कि ध्सभी को शिक्षित और स्वस्थ किए बिना भारत को विकसित राष्ट्र बना देंगे तो वो बड़ा जुमलाबाज होगा। बीजेपी को लगता है कि मनीष सिसोदिया को रोककर दिल्ली के बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दिलाने देंगे। अगर वो ऐसा सोचते हैं तो वो भुलावे में हैं। इसके लिए मैं, अपनी जान की बाजी लगा दूंगा. बीजेपी वालों को वैसा नहीं करने दूंगा. मैं, लोगों से कहूंगा कि सीएम अरविंद केजरीवाल, इसलिए जेल में नहीं है कि उन्होंने बुरे काम किए, बल्कि वो जेल में इसलिए हैं कि दिल्ली वालों के लिए बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की। बहरहाल यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि दिल्ली और देश की जनता इसे किस रूप में लेती है।

खेल के मैंदान और खिलाडी

–मनोज सिंह–

देश में प्रतिभाशाली युवाओं की कमी नहीं है देश के विभिन्न क्षेत्रों में हमारे देश के युवाओं ने अपनी काबिलियत का परचम लहराया है लेकिन जब अंतर्राष्ट्रीय खेलों में शौर्य दिखाने का मौका आता है तो दुःख होता है कि यह वही भारत देश है जहां की आबादी 140 करोड़ है । दरअसल खिलाड़ियों की उत्पत्ति का स्थल विद्यालयों में बच्चों की खेलने वाली फील्ड पर निर्भर करती है आज देश में भ्रष्ट राजनीति के चलते ऐसे लाखों विद्यालयों को मान्यता मिली हुई है जिनके पास अपने विद्यालय परिसर में फील्ड नहीं है जिसमें बच्चे खेल सके सवाल यह उठता है कि जब बच्चों को बचपन में खेलने का अवसर ही नहीं मिलेगा तो वह युवावस्था में अपनी प्रतिभा कैसे दिखाएंगे देश के अधिकांश प्राइमरी विद्यालयों के पास फील्ड नहीं है किसी तरह से प्राइमरी विद्यालय के लिए लोगों ने जमीन दे दिया या संबंधित अधिकारियों ने कही थोड़े से बंजर भूमि की तलाश करके विद्यालय स्थापित कर दिया और अपनी जिम्मेदारियां से मुक्ति पा लि देश की नौनिहाल बच्चों की सर्वांगीण विकास की चिंता राजनेता अधिकारी,समाज और समाज की जिम्मेदार लोगों ने छोड़ दिया तो हम उनसे कैसे उम्मीद करें कि वह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड पदक लेकर आएंगे।

यहां के हजारों युवा ऊंचे पहाड़ों पर जीवन की परवाह किए बिना चढ़ जाते हैं और कावड़ यात्रा में नॉन स्टॉप बिना जूता चप्पल के नंगे पैर 50 किलोमीटर से अधिक श्रद्धा में दौड़ लगाकर जल चढ़ाते हैं । देश के खेल मंत्रालय को अगर पहाड़ों पर से और कावड़ यात्रा से क्षमतावान युवाओं को चिन्हित करके अच्छी ट्रेनिंग देकर अंतर्राष्ट्रीय खेलों में भेजते तो निसंदेह दो–चार गोल्ड पदक तो ले ही आते ।

देश में आस्था चरम पर है किंतु कर्म और जिम्मेदारी शून्य है देश के सभी लोगों की इच्छा होती है कि हमारा देश अधिक से अधिक गोल्ड जीत कर ले आए लेकिन हम इस बात पर नहीं ध्यान देते हैं ना परवाह करते हैं की हमारे गांव में जो प्राइमरी स्कूल है उसमें बच्चों के खेलने के लिए थोड़ा सा त्याग करके जमीन कैसे उपलब्ध कराया जाए वहीं शहरों में बहुत से प्राइवेट स्कूल इस तरह के चल रहे हैं जिनके पास फील्ड नाम की कोई चीज नहीं दरअसल समाज में अधिक से अधिक पैसा कमाने की चाहत में लोगों ने बच्चों के शिक्षा के साथ उनके सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना बंद कर दिया ।

स्कूलों को मान्यता प्रदान करने वाली सरकारी संस्थान बच्चों के कमरों के मानक तो बना दिए लेकिन उन कमरों के आधार पर कितना फील्ड होना चाहिए इस पर कभी विचार नहीं होता प्राय नए विद्यालय कुछ कमरों के चलना शुरू होते हैं और धीरे–धीरे जो भी जमीन उसे विद्यालय के पास होती है उसे पर कमरे तो बन जाते हैं बच्चों की संख्या बढ़ जाती है लेकिन बच्चों के खेलने की फील्ड विलुप्त हो जाती है ऐसे में हम कैसे उम्मीद करें कि हमारे बच्चे अंतर्राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक लायेंगे ।

खेलों का स्वर्ण पदक भले ही हमारे देश को ना मिला हो लेकिन बेरोजगारी का स्वर्ण पदक विश्व में सबसे अधिक हमारी ही झोली में है इसका सारा दोष सरकार पर ही नहीं हम लोग भी समाज के जिम्मेदार लोग दोषी हैं क्योंकि आज बहुत से विद्यालय अच्छी से अच्छी शिक्षा देने के स्थान पर अच्छा सा अच्छा सर्टिफिकेट देने के लिए कार्य कर रहे हैं ताकि अधिक से अधिक बच्चे उनके संस्थान में शिक्षा ग्रहण करें और वहां की संस्था आर्थिक रूप से संपन्न हो जाए भले ही बच्चे फर्जी सर्टिफिकेट लेकर दर–दरकी की ठोकरे खाते रहे ।

हाल ही में खेल महोत्सव मनाया गया लेकिन यह सुनने में नहीं आया कि जनपद में कोन सा बच्चा राष्ट्रीय मानक के करीब नजर आया तथा हर जिले से जो प्रतिभाशाली बच्चे थे उनको प्रदेश स्तर पर खेलने का मौका मिला या नहीं मिला उनके सुख सुविधा की व्यवस्था की गई या नहीं की गई इस तरह की कोई खबर सुनने को नहीं मिला केवल खेलो इंडिया खेलो से देश का भला नहीं होगा इसके लिए खेलो बच्चों खेलो आगे बढ़ो बच्चों आगे बढ़ो की परिपाटी पर ध्यान देकर और खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों के खान–पान और रहन–सहन की व्यवस्था पर ध्यान देना पड़ेगा तभी हमारे देश के बच्चे अंतर्राष्ट्रीय खेलों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और देश का नाम रोशन होगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों का दायरा

–डॉ. केपी सिंह–

पूरे देश में विशेषकर, उत्तर–पूर्व और उत्तरी और पश्चिमी भारत के सीमावर्ती राज्यों में, नशीली दवाओं का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। उचित और पर्याप्त नीतिगत हस्तक्षेप की कमी के कारण नशीली दवाओं की लत में फंसे बेरोजगार युवाओं ने पहले ही बहुप्रचारित 'जनसांख्यिकीय लाभांश' को बेअसर कर दिया है। कट्टरपंथी और अलगाववादी तत्व, जो धर्म की स्वतंत्रता की आड़ में वित्तीय प्रलोभन के आधार पर धर्मांतरण और धर्म की गलत व्याख्या करके लोगों को गुमराह कर रहे हैं, सख्त प्रतिबंधों के पात्र हैं। भेदभावपूर्ण और अपमानजनक धार्मिक रीति–रिवाजों और विकृत शिक्षा का घरेलू सुरक्षा परिदृश्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, उन्हें धर्म के अंदर से ही सुधारों को बढ़ावा देकर या उचित कानूनी अधिनियमों के माध्यम से बदलने की आवश्यकता है।

सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह देश में राजनीतिक संतुलन बनाए रखने, आर्थिक हितों की रक्षा करने, क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित करने, सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने और घरेलू सुरक्षा वातावरण को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्प प्रदर्शित करे। इसके साथ ही, सरकार को प्राकृतिक आपदाओं और मानव निर्मित संकटों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाने चाहिए। सक्षम राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों (एनएसडी) का उद्देश्य देश और नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

केसी पंत की अध्यक्षता वाली 'टास्क फोर्स' की सिफारिश पर, राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक शीर्ष सलाहकार निकाय के रूप में 1998 में 'राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद' (एनएससी) का गठन किया गया था, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते थे। जिसमें वित्त, रक्षा, गृह और विदेश मंत्री शामिल थे। हालांकि, एनएससी ने आज तक एनएसडी का लिखित दस्तावेजीकरण नहीं किया है, जिससे हितधारक अपना अधिदेश प्राप्त कर सकें और सामरिक महत्त्व की रणनीति तैयार कर सकें। एनएसडी अभी तक मुख्य रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाओं तक ही सीमित रही है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों और सैन्य रणनीतियों तथा कूटनीति पर अधिक ध्यान केन्द्रित रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्याम सरन द्वारा 2015 में तैयार राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के मसौदे में दीर्घकालिक योजना और निर्णय लेने के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों, जिनमें घरेलू सुरक्षा, बाहरी सुरक्षा, सैन्य तैयारी, आर्थिक सुरक्षा और पारिस्थितिक सुरक्षा शामिल है, की पहचान की गई थी। यह तथ्य है कि कूटनीतिक मामलों और आर्थिक तथा पर्यावरण से जुड़े सुरक्षा के मुद्दों पर एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति बन गई है, लेकिन घरेलू सुरक्षा की चिंताएं राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी राजनीति के एजेंडे से ऊपर नहीं उठ पाई हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संवेदनशील रक्षा मामलों पर मतभेद आजकल राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श में खुले तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं।

प्रतिस्पर्धी सामाजिक और राजनीतिक विचारधाराओं में समन्वय के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति, सैन्य–रुख और भू–राजनीतिक हितों के बीच संतुलन स्थापित करना एक सार्थक एनएसडी तैयार करने की कुंजी है। रूढ़िवादी मानसिकता वाले सुरक्षा विशेषज्ञ प्रायः तर्क देते हैं कि भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में सुरक्षा मामलों पर आम सहमति पर पहुंचना आसान नहीं होगा और न ही सार्वजनिक रूप से एनएसडी की बारीकियों पर चर्चा करना वांछनीय होगा। शायद यही कारण है कि नीति–निर्माता एक व्यापक एनएसडी नहीं बना पाए हैं और यह बन्द कमरे का मामला बनकर रह गया, जिस पर सत्ताधारी दल की विचारधारा का एकाधिकार होता है। भारत में एनएसडी पर चर्चा में आंतरिक सुरक्षा के मुद्दों पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता जितना दिया जाना चाहिए। भूमि और समुद्री मार्गों से आने वाले अवैध प्रवासी भारत में शांति और स्थिरता के लिए एक बड़ा खतरा है। सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी अवरोधन के बिना रोहिंग्या और बांग्लादेशी अवैध प्रवासी बड़ी संख्या में तलहटी और निचले हिमालयी क्षेत्रों में बस गए हैं। इन क्षेत्रों की जनसांख्यिकी कुछ दशकों में ही बहुत बदल गई है, जिससे घरेलू शांति और सामाजिक संतुलन के लिए गम्भीर खतरे पैदा हो गए हैं। चिंता की बात यह है कि इन अवैध प्रवासियों का कोई व्यवस्थित जायजा नहीं लिया जाता है और सुरक्षा एजेंसियों को उनकी संख्या और बसने के स्थानों के बारे में भी ज्ञान नहीं है।

भारत फ्रांस और इंग्लैंड जैसे यूरोपीय देशों से आने वाले शुरुआती चेतावनी संकेतों को नजरअंदाज नहीं कर सकता है, वहां जनसंख्या नियंत्रण नीति के अभाव में उनकी जनसांख्यिकी में जिस प्रकार का बदलाव आ रहा है, उसमें मूल निवासी अपनी ही मातृभूमि में जातीय और सांस्कृतिक अल्पसंख्यक बनने की पीड़ा झेल रहे हैं। जनसांख्यिकीय मोर्चे पर असहजता और लाचारी के ऐसे संकेत भारत के कुछ हिस्सों में पहले से ही दिखाई दे रहे हैं। एक सुविचारित जनसंख्या नियंत्रण–नीति को अपनाकर जनसांख्यिकीय और सामाजिक–सांस्कृतिक यथास्थिति को बनाए रखना एनएसडी के समग्र परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक हो गया है।

पूरे देश में विशेषकर, उत्तर–पूर्व और उत्तरी और पश्चिमी भारत के सीमावर्ती राज्यों में, नशीली दवाओं का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। उचित और पर्याप्त नीतिगत हस्तक्षेप की कमी के कारण नशीली दवाओं की लत में फंसे बेरोजगार युवाओं ने पहले ही बहुप्रचारित 'जनसांख्यिकीय लाभांश' को बेअसर कर दिया है। कट्टरपंथी और अलगाववादी तत्व, जो धर्म की स्वतंत्रता की आड़ में वित्तीय प्रलोभन के आधार पर धर्मांतरण और धर्म की गलत व्याख्या करके लोगों को गुमराह कर रहे हैं, सख्त प्रतिबंधों के पात्र हैं। भेदभावपूर्ण और अपमानजनक धार्मिक रीति–रिवाजों और विकृत शिक्षा का घरेलू सुरक्षा परिदृश्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, उन्हें धर्म के अंदर से ही सुधारों को बढ़ावा देकर या उचित कानूनी अधिनियमों के माध्यम से बदलने की आवश्यकता है। भारत का लगभग आधा भू–भाग हर वर्ष बाढ़ की चपेट में आता है, जबकि गर्मियों के महीनों में देश के कई हिस्सों में पर्याप्त पेयजल भी उपलब्ध नहीं होता है। जल–संचयन की कमी के कारण जल–स्रोत समाप्त होते जा रहे हैं, और भूमिगत जलस्तर प्रतिवर्ष नीचे खिसक रहा है। पानी की कमी दुनियामर में सभ्यता के अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। जल–संसाधनों का प्रबंधन राष्ट्रीय सुरक्षा हितधारकों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

जन आंदोलनों को गति देने वाले सामाजिक उद्दीपक संक्रामक होते हैं, हम आरक्षण और बेरोजगारी के मुद्दों पर बांग्लादेश में चल रहे जन आंदोलन को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इसलिए, एनएसडी के कार्यक्षेत्र को व्यापक बनाने और परम्परागत विषयों के अतिरिक्त आंतरिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को भी इसमें समाहित करने की जरूरत है।–लेखक हरियाणा के पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

चुनौती देता विपक्ष?

–नीरज कुमार दुबे–

संसद का मॉनसून सत्र इस बात के लिए खासतौर पर याद किया जायेगा कि इस दौरान कई बार ऐसा देखने को मिला कि लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला और राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ से विपक्षी सदस्यों ने जानबूझकर उलझने का प्रयास किया। दोनों सदनों के सभापतियों पर विपक्ष ने तमाम तरह के आक्षेप लगाने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाये। संभवतः ऐसा इसलिए किया गया ताकि आसन की निष्पक्षता को संदेह के कठघरे में खड़ा किया जा सके। खास बात यह है कि विपक्षी सदस्यों ने सदन की सदस्यता की शपथ लेते समय संविधान की प्रति हाथ में ले रखी थी लेकिन उसी संविधान के नियमों से बनी सदन के संचालन की नियमपुस्तिका में लिखे निर्देशों का पालन करने में वह कोताही बरतते हैं। ताजा मामला समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन का है जिन्होंने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को नाहक ही विवाद में घसीटा कर गलत परम्परा कायम की। इस बार के सत्र के दौरान दोनों सदनों की कार्यवाही पर गौर करेंगे तो ऐसा लगेगा कि सरकार को छोड़ कर विपक्ष अब लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति से सीधे भिड़ते रहने की रणनीति पर चल रहा है।

इसके अलावा, इस बार यह भी देखने को मिला कि विभिन्न विषयों पर चर्चा के दौरान एक दूसरे पर हमला कर रहे पक्ष–विपक्ष के नेता मूल मुद्दों और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे थे। नेताओं के संबोधनों में सुर्खियों में आने लायक और उनके भाषणों को वायरल बनाने लायक सामग्री तो थी लेकिन देश की वर्तमान समस्याओं का हल सुझाने या भविष्य की जरूरतों को पूरा करने वाले सुझावों का नितांत अभाव था। देखा जाये तो संसद की कार्यवाही के संचालन पर देश का करोड़ों रुपया खर्च होता है इसलिए सांसदों को चाहिए कि वह सिर्फ अपने राजनीतिक प्रभुत्व को बढ़ाने पर ध्यान देने की बजाय जनहित के मुद्दों को उठाने और जनता की समस्याओं का हल निकलवाने को प्राथमिकता दें।

हालांकि वर्तमान लोकसभा में एक बात यह अच्छी नजर आ रही है कि सरकार के साथ–साथ विपक्ष भी खूब सक्रिय नजर आ रहा है। पिछली दो लोकसभा में चूंकि औपचारिक रूप से कोई नेता प्रतिपक्ष ही नहीं था इसलिए विपक्ष प्रभावी भूमिका में नहीं दिख रहा था। उस समय संसद में बिना बहस के ही कई अहम विधेयक पारित हो जा रहे थे। लेकिन अब लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने के बाद से राहुल गांधी जिस तरह जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा रहे हैं उससे सरकार अपने मन मुताबिक काम नहीं कर पा रही है। वैसे यह अच्छी बात है कि अब जिन विधेयकों पर आम राय नहीं बन रही है उन्हें संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जा रहा है। गौरतलब है कि पिछली लोकसभा में ऐसा देखने को नहीं मिलता था।

ऊंची है मंजिल मेरी

ऊंची है मंजिल मेरी,
राह मैं खुद बनाऊँगी,
डगमगा जाऊँ अगर कहीं,
तो फिर खड़ी हो जाऊँगी,
आगे बढ़ना सीखा है मैंने,
पीछे कैसे मुड़ जाऊँगी,
ना मानूँगी हार कभी,
सफलता तभी तो पाऊँगी,
तैयार है पूरी मेरी,
मेहनत करते जाना है,
सपना है यह मेरा,
मंजिल तक मुझे जाना है,
रहे तो है कई मगर,
मंजिल मेरी एक है,
बढ़ते रहना आगे निरंतर,
रास्ता भी होना नेक है।।–प्रियंका कोशियारी

काकोरी काण्ड स्मृति वन वृक्षारोपण कार्यक्रम में रोपे पौध, दिया संदेश

–विधायक अजय सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा स्व. श्री हरि नारायण पाण्डेय की स्मृति में आयोजित काकोरी कांड स्मृति वन वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को हरैया विधायक अजय सिंह ने जिला वन अधिकारी, क्षेत्रीय वन अधिकारी और स्थानीय लोगों के साथ पौधरोपण किया। विधायक ने पौधारोपण के साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय श्री राम मूर्ति त्रिपाठी के पौत्र सत्यदेव त्रिपाठी तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय श्री राजदेव सिंह के पुत्र हरिश्चंद्र सिंह को विधायक ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विधायक ने कहा कि स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देने वाले अमर बलदानियों का एक मात्र उद्देश्य भारत की स्वतंत्रता थी। भारत का स्वतंत्रता संग्राम पूरे विश्व के लिए प्रेरणा एवं अनुकरण की एक मिसाल रहा है। कहा कि जिन स्वतंत्रता सेनानियों की बदौलत देश आजाद हुआ उनके बताए मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। हम सभी आजाद भारत की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। यह आजादी हमें जिनकी विरासत में मिली है, लोग उनकी विरासत को धीरे धीरे भूलते जा रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सभी देशवासी उन सेनानियों को विरासत को आगे भी कायम रखें।

इस अवसर पर जिला वन अधिकारी, क्षेत्रीय वन अधिकारी हरैया, वन क्षेत्राधिकारी कप्तानगंज, जगदंबा प्रसाद पाण्डेय, गया प्रसाद पाण्डेय, विजय शंकर सिंह, गिरीश पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, सत्यदेव सिंह, जीत बहादुर सिंह, रामकृष्ण द्विवेदी, मोहित पाण्डेय, हरिओम पाण्डेय, सुभाष सिंह, आशुतोष सिंह छोटे, पवन सिंह, राम ललित पाण्डेय, प्रवीण कुमार, श्रीराम सिंह, अखिलेश सिंह, भरत सिंह, निर्मल सिंह, सोनू सिंह, प्रिन्स शुक्ला, लवकुश वर्मा, दुर्गेश सिंह, मुन्ना सिंह, रवि, प्रमोद पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

अटेवा की बैठक में पुरानी पेंशन बहाली पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बीआरसी हरैया के सभागार में अटेवा की बैठक ब्लॉक संयोजक अर्जुन प्रसाद की अध्यक्षता में शुक्रवार को सम्पन्न हुई। बैठक में पुरानी पेंशन बहाली और सदस्यता अभियान पर विस्तृत चर्चा हुई। ब्लॉक संयोजक ने कहा कि एनपीएस और निजीकरण शोषणकारी व्यवस्था है इसे तत्काल बंद होना चाहिए। पुरानी पेंशन बहाली तक अटेवा का संघर्ष जारी रहेगा। बताया कि अटेवा का सदस्यता अभियान 15 सितंबर तक चलेगा जिसमें अधिक से अधिक लोग सदस्य बने। शिक्षक नेता रवीश कुमार मिश्र ने कहा कि एनपीएस शिक्षकों और कर्मचारियों के हित में बिल्कुल नहीं है। एनपीएस में सरकार पेंशन के नाम पर केवल छलावा कर रही है। पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा सभी शिक्षकों और कर्मचारियों के जीवन से जुड़ा है। जब तक सरकार इस पर विचार नहीं करती, यह लड़ाई चलती रहेगी। बैठक को जिला कोषाध्यक्ष अमरचंद वर्मा, जिला संयुक्त मंत्री मो. सलाम, हरी सिंह आदि ने भी सम्बोधित किया।

बैठक में रामजी वर्मा, पुजारी वर्मा, प्रभात रंजन वर्मा, गुलाम अशरफ अंसारी, राकेश सिंह, संदीप सिंह, चंद्रभान, राम सहाय, राजेंद्र कुमार कनौजिया, मनमोहन कनौजिया, गिरधारी लाल कनौजिया, प्रेम कुमार, काशीराम वर्मा, मानिक राम वर्मा, वंश गोपाल तिवारी, जितेंद्र, सुशील, ऋषि सिंह, प्रवेश, दिवाकर विक्रम सिंह, राजेश वर्मा आदि उपस्थित रहे।

सपा विधायकों ने मोहित यादव की मां को सौंपा दो लाख रूपये का आर्थिक सहयोग

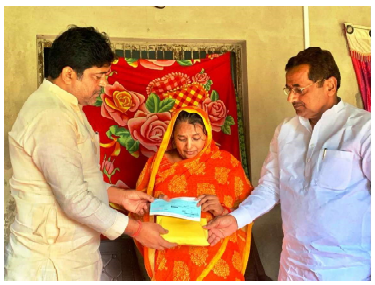

–मोहित यादव के परिजनों को न्याय दिलाने के लिये जारी रहेगा संघर्ष- महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । छात्र मोहित यादव के अपहरण और हत्या मामले में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव, विधायक राजेन्द्र चौधरी ने पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों के साथ लालगंज थाना क्षेत्र के सुकरौली गांव पहुंच कर मोहित यादव की मां को पार्टी की ओर से एक लाख रूपये का चेक और विधायकों की ओर से एक लाख रूपये नकद सौंपा। सपा नेताओं ने परिजनों से मिलकर भरोसा दिलाया कि पार्टी इस मामले में हर स्तर पर सहयोग कर न्याय दिलायेगी।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने बताया कि शासन प्रशासन की भूमिका मोहित यादव हत्याकाण्ड को लेकर संदिग्धा बनी हुई है, अभी तक पुलिस शव तक बरामद कर पाने में विफल रही है। हत्या जैसे दुर्भाग्यपूर्ण मामले में भी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की जगह राजनीतिक दबाव में कुचक्र किया जा रहा है। सपा इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव स्वयं इस मामले को लेकर गंभीर हैं। दुःखी परिवार को एक लाख रूपये का चेक सौंपा गया है। इस परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने के साथ ही सपा कानूनी हर स्तर पर हर संकट में परिवार के साथ है।

ज्ञात रहे कि लालगंज थाना क्षेत्र के सुकरौली निवासी मोहित यादव पुत्र स्वर्गीय मुकेश यादव पिकौरादत्तूराय मोहल्ले में अविनाश के मकान में किराए पर रहकर पढ़ाई करता था। अविनाश ने तहरीर दिया कि दो बाइक पर सवार पांच लोगों ने उनके मकान से बुलाकर मोहित यादव का अपहरण कर लिया। पुलिस ने बाद में जानकारी दिया कि मोहित यादव की हत्या कर उसकी लाश को नदी में फेंक दिया है। पुलिस अभी तक शव बरामद करने में भी विफल रही है। मोहित यादव के अपहरण के विरोध में समाजवादी पार्टी ने दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर चार दिनों तक धरना दिया था। सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने पत्रकारों को बताया कि अपहरण के बाद ही यदि पुलिस सक्रिय हुई होती तो मोहित यादव को बचाया जा सकता था। अब राजनीतिक दबाव में केस को कमजोर करने का षड़यंत्र किया जा रहा है किन्तु सपा इसे बर्दाश्त नही करेगी। मोहित यादव के परिवार को पूरा न्याय दिलाया जायेगा।

छात्रों में किया शैक्षणिक सामग्री का वितरण दिया 9 अगस्त क्रान्ति के महत्व की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । महिला कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष मंजू पाण्डेय ने शुक्रवार को अगस्त क्रान्ति के अवसर पर गौर विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय हथिनास के छात्र–छात्राओं में शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया। उन्होने छात्रों को 9 अगस्त के महत्व की जानकारी देते हुये बताया कि 1942 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 'करो या मरो' का नारा देकर अंग्रेजों को देश से भगाने के लिए पूरे भारत के युवाओं का आह्वान किया था, इसीलिये इसे अंग्रेजों भारत छोड़ो या क्विट इंडिया मूवमेंट भी कहते हैं। 9 अगस्त 1942 को इस आंदोलन की शुरुआत हुई थी, इसलिए इसे अगस्त क्रांति भी कहते हैं।

कांग्रेस नेता मंजू पाण्डेय ने छात्रों से अगस्त क्रान्ति से जुड़े प्रश्न भी पूंछे और उन्हें जब कापी, पेन्सल आदि मिला तो उनके चेहरों पर मुस्कान थी। सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता अवधेश सिंह ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि वे खूब पढ़े और माता, पिता, देश के सपनों को साकार करें।गौर विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय हथिनास के प्रधानाध्यापक शैलेन्द्र कुमार राय, विजय कुमार शुक्ल ने कहा कि ऐसे रचनात्मक पहल की जरूरत है जिससे छात्रों का मनोबल बढे।

फाइलेरिया मुक्त अभियान के लिए जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता–गोंडा। शहर के सरयू प्रसाद कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज में शनिवार को मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान के तहत फाइलेरिया मुक्त अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि डीएम नेहा शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। अध्यक्षता कर रही विद्यालय प्रधानाचार्य गिरिजा मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया। डीएम नेहा शर्मा ने स्कूली छात्राओं को जागरूक करते हुए शपथ दिलाई। डीएम ने छात्रों को फाइलेरिया की दवा भी खिलाई। सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा ने बताया कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से पांच साल से पंद्रह साल में फैलने की संभावना रहती है। पांच साल तक सभी लोग साल में एक बार इस दवा के सेवन करने से फाइलेरिया रोग से मुक्त रह सकते हैं।

एसीएमओ डॉ.सीके वर्मा ने फाइलेरिया के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए दवा खाने की डोज बताया। कहा कि दवा खाने के बाद कुछ लोगों में हल्की मितली, सिरदर्द, चक्कर आना जैसे लक्षण आते हैं, इससे घबराना नहीं चाहिए। यह एक अच्छा संकेत है और यह तब होता है जब शरीर के भीतर मौजूद माइक्रो फाइलेरिया मरते हैं। दो सितंबर तक जिले भर में टीमें घर घर जाकर दवाओं का वितरण करेगी। विभागीय रिपोर्ट के अनुसार 2023 के आंकड़ों 23 सौ फाइलेरिया मरीज चिन्हित किए गए हैं। इस दौरान डॉ. जय गोविंद अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. आरपी सिंह, डीसीपीएम शोएब जैदी, शेषनाथ सिंह, महक पांडेय सहित सैंकड़ों छात्राएं मौजूद रही।

13 सूत्रीय मांगों को लेकर भाकियू ने निकाली किसान ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय नेतृत्व और संयुक्त किसान मोर्चा के आवाहन पर भारतीय किसान यूनियन पदाधिकारियो, सदस्यों ने किसान ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाली। जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी के नेतृत्व में 13 सूत्रीय मांगों को लेकर शहीद किसान स्थल मुण्डेरवा में शहीद किसानों को माल्यार्पण के बाद निकली ट्रैक्टर यात्रा टेमी, टोल प्लाजा से फुटहिया होते हुये शास्त्री चौक पहुंची। यहां लाल बहादुर शास्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद भाकियू पदाधिकारी, किसान, नौजवान जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और प्रधानमंत्री को सम्बोधित 13 सूत्रीय ज्ञापन मुख्य राजस्व अधिकारी को सौंपा।

भाकियू के पूर्वान्चल अध्यक्ष अनूप चौधरी ने बताया कि किसान समस्याओं के समाधान को लेकर मुख्य राजस्व अधिकारी ने जिलाधिकारी से दूरभाष पर वार्ता किया। बताया कि 20 अगस्त को दिन में 10 बजे सम्बंधित अधिकारियों की मौजूदगी में भाकियू पदाधिकारियों से वार्ता कर स्थानीय समस्याओं का निराकरण कराया जायेगा।

ज्ञापन सौंपने के बाद भाकियू के प्रदेश सचिव दिवान चन्द पटेल, पूर्वान्चल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शोभाराम ठाकुर, जयराम वर्मा, पंचराम चौधरी, रामचन्दर सिंह, राम मनोहर, डा. आर.पी., विनोद चौधरी, त्रिवेनी चौधरी, राम महीपत, रमेश चौधरी आदि ने किसान आयोग का गठन किये जाने, एम.एस.पी. लागू किये जाने, स्वामीनाथन आयोग के अनुसार फसल मूल्य निर्धारण, किसान समस्याओं के समस्याओं के समाधान, व्याज समेत गन्ना मूल्य भुगतान कराये जाने, , बिजली संकट दूर किये जाने, वाल्टरगंज चीनी मिल चलाये जाने, गन्ना किसानों, मिल श्रमिकों का बकाया भुगतान कराये जाने, आगामी पेराई सत्र में गन्ने का मूल्य 500 रूपया प्रति क्विंटल निर्धारित किये जाने, सहारा के उपभोक्ताओं का वर्षो से अटका रूपया दिलाये जाने, छुट्टा पशुओं पर अंकुश लगाये जाने, खाद, बीज, कीटनाशक, कृषि यंत्रों से जीएसटी हटाकर छूट का लाभ किसानो के खाते में भेजे जाने, बाढ से हुई फसल के नुकसान का सर्वे कराकर मुआवजा दिलाये जाने आदि की मांग शामिल किये जाने आदि की मांग शामिल है।

किसान ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा और ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से का. के.के. तिवारी, रामगढी चौधरी, सुधाकर शाही, वृजेश पटेल, सुरेन्द्र मोहन शर्मा, विजय कुमार, विष्णुकान्त, दिलीप कुमार, रामचन्दर, राम मूरत चौधरी, हरिश्चन्द्र निषाद, लल्लन, विनोद चौधरी, नरसिंह, मनोज यादव, रमाकान्त, राकेश, धर्मेन्द्र चौधरी, टुनटुन, प्रेमचन्द, शम्भू, बाबूराम, प्रिंस, सभाजीत, विपिन यादव, अमरजीत, श्याम सुन्दर, ब्रम्हदेव चौधरी, गंगाराम, मोनू, अमरेश, काशीराम, नुरूलहुदा, सन्त प्रकाश, बब्लू, मुन्ना, निसार अहमद, संकटा प्रसाद, अमित मिश्र, पारसनाथ, तेज बहादुर, रामनरायन, रामकरन, अमरजीत, राधेश्याम, राम सुरेमन, राम कल्प, रामफेर, पिंकू चौधरी, दीपू चौधरी के साथ ही भाकियू के पदाधिकारी एवं विभिन्न संगठनों के लोग शामिल रहे।

अध्यापकों में नेतृत्व क्षमता वर्धन पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

संवाददाता–बलरामपुर। मिशन निपुण के अंतर्गत डाइट मेंटर, एसआरजी और एआरपी की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन स्थानीय जय पैलेस सभागार में किया गया। जिला प्रशासन, बेसिक शिक्षा एवं नीति आयोग की सहयोगी संस्था पीरामल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। मुख्य विकास अधिकारी संजीव कुमार मौर्या ने बताया कि कार्यशाला की मदद से हमारे जिले में कार्यरत सभी डाइट मेंटर, एसआरजी और एआरपी को उनके सपोर्टिव सुपरविजन को प्रभावी करने और शिक्षकों को सटीक फीडबेक देने में मदद मिलेगी। जिले के सभी शिक्षकों को कक्षाओं का बेहतर संचालन और छात्रों तक एफएलएन का ट्रांजीशन प्रभावी हो सकेगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ला और डाइट प्राचार्य ने भी प्रतिभागियों को संबोधित कर मिशन निपुण के लक्ष्य प्राप्ति को लेकर अपने विचार रखे।

कार्यशाला में 45 एआरपी, 4 एसआरजी एवं 10 डाइट मेंटर ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का उद्देश्य जिले में संचालित निपुण भारत अभियान के तहत डाइट मेंटर, एसआरजी और एआरपी की भूमिका को प्रभावी बनाने और टिप्पस टूल के माध्यम से कक्षाकक्ष में शिक्षकों को टीचिंग प्रैक्टिस का प्रभावी संचालन एवं नेतृत्व क्षमता वर्धन रहा। इस दौरान मॉडल स्कूल कार्यक्रम के उद्देश्यों और पिछले दो वर्षों में प्राप्त की गई उपलब्धियों की चर्चा की गई। पीरामल फाउंडेशन के स्टेट रिसोर्स पर्सन नफीस अहमद ने कार्यशाला का संचालन किया। प्रतिभागी शिक्षकों को टीचर्स इंस्ट्रक्शनल प्रैक्टिस एंड प्रोसेस सिस्टम (टिप्पस टूल) का अभिविन्यास कराया गया, जिससे उनके द्वारा किया जाने वाला सपोर्टिव सुपरविजन अधिक प्रभावी बन सके और अध्यापकों के क्षमता वर्धन प्रोसेस में प्रभावी फीडबेक के माध्यम से सहयोग प्रदान किया जा सके। पीरामल फाउंडेशन के डिस्ट्रिक्ट लीड इमरान ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रशासन की प्राथमिकता में है और इसके प्रभावी संचालन के लिए समय–समय पर क्षमतावर्धन कार्यशालाओं का आयोजन होता रहेगा। साथ ही, समुदाय और विद्यालय स्तर पर भी कई अभियान और कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे, ताकि परिषदीय विद्यालयों में नामांकित हर बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से लाभान्वित हो सके।

दो लोगों में हुए विवाद में घायल एक व्यक्ति की मौत, दूसरे ने लगाई फांसी

संवाददाता–बलरामपुर। नेपाल सीमा से सटे पचपेड़वा थाने के कंचनपुर गांव में दो लोगों में हुए विवाद के बाद घायल व्यक्ति की शुक्रवार की शाम को जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई। इससे घबराए दूसरे व्यक्ति ने शनिवार की सुबह आम के पेड़ से लटककर जान दे दी। घटना के बाद गांव में सन्नाटा है। कोई कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि अभी तक किसी ने कोई तहरीर नहीं दी है। ग्राम पंचायत बड़का भूकुरूवा का मजरा कंचनपुर निवासी श्याम कुमार (38) व बिंदु लाल (39) के बीच शुक्रवार को करीब 11 बजे किसी बात को लेकर आपस में विवाद हो गया। मामूली विवाद में मारपीट हो गई। इसमें श्याम कुमार के सिर व कमर पर चोट आई। इससे वह बेहोश हो गया। उसे पचपेड़वा सीएचसी ले जाया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. विजय कुमार ने बताया कि श्याम कुमार को बेहोशी की हालत में लाया गया था। उसके सिर व कमर पर चोट लगी थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया था। जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। इस पर पुलिस ने उसके शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मामले में आरोपी बनने डर से घबराकर बिंदु लाल ने शनिवार की सुबह घर के बगल आम के पेड़ से लटक कर आत्महत्या कर लिया। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह ने बताया कि दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था लेकिन श्याम कुमार की मौत बीमारी के कारण हुई थी। शनिवार को मारपीट करने वाले दूसरे युवक ने आत्महत्या कर लिया है। अभी दोनों परिवार के तरफ से कोई तहरीर नहीं मिली है। सीओ तुलसीपुर राकेश सिंह का कहना है कि पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है। जांच कराई जा रही है। फील्ड यूनिट की टीम ने भी पहुंचकर नमूना लिया है।

कंचनपुर गांव में दो मौतों के बाद सन्नाटा पसरा हुआ है। न तो मृतक के परिजन कुछ बोल रहे हैं और न ही ग्रामीण। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया विवाद नशे में होने के कारण होना बताया जा रहा है। हरेक बिंदु की जांच की जा रही है। एएसपी योगेश कुमार का कहना है कि सीओ से इस मामले में जानकारी ली जा रही है।

सरयू में उफान से कई गांव पानी से घिरे

संवाददाता–गोण्डा। सरयू नदी के ऊफान से माझा क्षेत्र फिर से बाढ़ के संकट से घिर गया है। बहरहाल शनिवार की शाम नदी के रफ्तार में ठहराव दर्ज किया गया है, पर अब भी नदी का जलस्तर लाल निशान से 27 सेमी ऊपर है। कई मजरे बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। रास्तों में जलभराव से आवागमन बाधित हो गया है। सरयू के तटीय क्षेत्र में बसे दत्तनगर, ब्यौदा मांझा ,साकीपुर, गोकुला, तुलसीपुर, माझाराठ , जैतपुर, दुल्लापूर, महेशपूर, दुर्गागंज के अनेक मजरे बाढ़ से घिर गए हैं। इन गांवों के सम्पर्क मार्गो पर जलभराव से लोगों को आवागमन में दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। खेत खलिहान में पानी आ जाने से मवेशियों के लिए हरे चारे की भी भारी किल्लत पैदा हो गई है। बच्चों का स्कूल तक पहुंचना दूभर हो गया है। ढेमवा पुल के निकट बसे मजरे गम्भीर बाढ की चपेट में आ गए हैं। शनिवार के शाम तहसील प्रसाशन द्वारा ब्यौदा गांव में लोगों के आवागमन के लिए दो नावें भेज दी गईं हैं। दत्तनगर में भी राहत कार्यो के लिए 5 नावें पहुंच गई हैं। तुलसीपुर, साकीपुर, गोकुला, माझाराठ, जैतपुर और दुल्लापूर के अनेक मजरो का सम्पर्क आम जनजीवन से टूट गया है। एसडीएम विशाल कुमार ने बताया कि तहसील के बाढ़ प्रभावित गांवों में 54 नावें प्रशासन द्वारा राहत कार्य में लगाई गई है। सभी बाढ राहत चौकियो को ऐक्टिव मोड मे कर दिया गया। स्वास्थ्य, पशुपालन और पंचायत विभाग के कर्मियों को भी चौकी पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। सैकड़ों बीघा खेत कटान की भेंट चढ गए रू सरयू के किनारे तीन मजरे के आसपास कटान भी हो रही है। बीते एक सप्ताह में दत्तनगर गांव के राघव राम मजरे के निकट आधा दर्जन किसानों के हरीभरी फसल लगी लगभग 30 बीघा भूमि नदी में समा गई है। दत्तनगर के बाडी माझा , साकीपुर के अट्ठाइसा और तुलसीपुर के राजा फार्म मजरे के निकट हुई कटान मे अबतक दो दर्जन लोगों के सैकड़ो बीघा खेत नदी के धारा मे तब्दील हो चुकी है। कटान निरन्तर जारी है।

समूह की महिलाओं ने संभाली कमान, तैयार कर रहीं तिरंगा

संवाददाता–गोण्डा। जिले में हर घर में तिरंगा फहराने की तैयारी तेजी से चल रही है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को तिरंगा झंडा बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। शहरों में एनयूएलएम और ग्रामीण क्षेत्रों में एनआरएलएम के गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने तिरंगा बनाने का काम मिला है। समूहों को साढ़े तीन लाख झंडे तैयार करने का लक्ष्य दिया गया है। तिरंगा बनाने का काम आठ अगस्त से शुरू किया गया है। दो साल पहले 15 अगस्त 2022 पर सरकार ने 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराए जाने अभियान शुरू किया। डीएम नेहा शर्मा ने बताया कि जिले में 178 समूह से 450 महिलाएं तिरंगा तैयार कर रही है। शहर से लेकर ब्लॉकों और गांव पंचायत स्तर पर लक्ष्य निर्धारित किया गया है। महिला स्वयं सहायता समूहों ने तिरंगा तैयार करने का काम शुरू कर दिया है। जिले में महिला सशक्तिकरण को लेकर लगातार डीएम नेहा शर्मा तरह–तरह के प्रयास कर रही है। जिससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। स्वयं सहायता की महिलाओं ने बताया कि डीएम के प्रयास से काम दिए जा रहे हैं। जिससे महिला अपने परिवार का खर्चा स्वयं चला सके। इसके साथ ही रोजगार महिलाओं को मिल सके। इसको लेकर हर घर तिरंगा योजना के तहत जिले भर में घर और प्रतिष्ठानों और सरकारी कार्यालय में तिरंगे लगाए जाएंगे।

मामलों के निपटारे में न करें गलत रिपोर्टिंग –डीएम

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के सभी थानों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम पवन अग्रवाल व एसपी विकास कुमार ने कोतवाली नगर में पीड़ितों की समस्याएं सुनी। डीएम ने कहा कि भूमि विवाद के मामलों में राजस्व व पुलिस टीम स्थलीय जांच करके गुणवत्तापूर्ण ढंग से समस्याओं का निस्तारण कराए। जिलाधिकारी ने गलत रिपोर्टिंग करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है। डीएम ने पुलिस कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्व के मामले में बिना राजस्व अधिकारी के कोई निर्णय न लें। राजस्व विभाग की टीम ही भूमि विवाद में दस्तावेज के आधार पर वाद का निस्तारण कर सकती है। उप जिलाधिकारी संजीव यादव व सीओ बृजनंदन राय ने एक मकान के विवाद की सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने दूसरे पक्ष को सुनवाई के लिए बुलवाया तो दूसरे पक्ष ने बताया कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय से मामले में स्थगन आदेश प्राप्त है। जिस पर एसडीएम व सीओ ने दूसरे पक्ष को न्यायालय जाकर मामले की पैरवी के लिए कहा। थाना कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक शैलेश सिंह ने बताया कि 18 मामले सुनवाई के लिए आए थे। जिसमे से आठ का मौके पर निस्तारण कराया गया। उपनिरीक्षक अजीत त्रिपाठी, मोहम्मद वसी,अर्जुन सिंह, लेखपाल बच्चा राम, दुष्यंत श्रीवास्तव, पुनीत, पंकज पांडेय सहित तमाम लोग मौजूद रहे। थाना कोतवाली देहात में तहसीलदार अखिलेश कुमार ने पीड़ितों की समस्याएं सुनी। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि 16 मामलों में सात का निस्तारण कराया गया। थाना ललिया समाधान दिवस में नायब तहसीलदार अनुपम शुक्ला ने पीड़ितों की समस्याओं को सुनकर निस्तारण किया। थानाध्यक्ष ललिया ने बताया कि 12 मामलों में छह का निस्तारण कराया गया। थाना गौरा चौराहा समाधान दिवस में अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन हुआ। नायब तहसीलदार ऐश्वर्या लक्ष्मी तिवारी ने मौके पर चार भूमि विवाद के मामले सुनकर निस्तारण किया। थाना गौरा प्रभारी निरीक्षक रमन वर्मा ने बताया कि 14 मामलों में 9 मामलों का निस्तारण कराया गया। मॉडर्न थाना श्रीदत्तगंज में प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार दीक्षित ने पीड़ितों की समस्याओं को सुनकर उसका निस्तारण कराया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि 10 मामलों में तीन का मौके पर निस्तारण किया गया।

घर से लापता युवक का होटल में मिला शव

संवाददाता–गोण्डा। घर से तीन दिन पहले से लापता युवक की लाश मनकापुर के एक होटल में पंखे से लटकते मिली है । होटल के मैनेजर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच – पड़ताल में जुटी हुई है। बताया जाता है कि थाना खोड़ारे के बनगवां निवासी युवक मुकेश प्रजापति पुत्र राजकुमार प्रजापति अपने घर से तीन दिन पहले छह अगस्त को गांव के एक व्यक्ति की बाइक से निकला था। जब शाम को घर वापस नही पहुंचा तो खोजबीन शुरू हुई लेकिन कोई पता नहीं चल सका। परिजनों ने खोड़ारे थाने में 08 अगस्त को गुमशुदी दर्ज करायी । शनिवार को रेलवे स्टेशन के समीप एक होटल में पंखे से लटकता उसका शव पाया गया है। छह अगस्त रात में ही होटल आ गया था युवक रू होटल के मैनेजर अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि छह अगस्त की रात युवक ने लगभग साढे नौ बजे होटल में आकर कमरे की मांग किया। आईडी मांगने पर कहा कि आधार कार्ड भूल गया हूं। बाइक का पेपर है वही लिख लीजिये। बताया कि मेरा नाम अजय गौतम है, जो पेपर में है। इसी नाम से कमरा बुक करा लिया। दूसरे दिन आठ अगस्त को दिन के 11 बजे वह नीचे से समोसा व कुछ और खाने का सामान लेकर ऊपर कमरे में चला गया। बेड़ पर कुर्सी रखकर पंखे से लगाई फांसी रू मैनेजर ने बताया कि नौ अगस्त शुक्रवार रात आठ बजे तक जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो कमरे के पास जाकर दरवाजे को ढकेला तो दरवाजा खुल गया। देखा तो वह गद्दे को हटाकर प्लास्टिक की कुर्सी बेड़ पर रखकर बेडशीट से सीलिंग फैन से गले में फांसी का फंदा लगा कर आत्म हत्या कर लिया था। घटना की सूचना होटल मालिक मदन सिंह को दिया तथा आसपास के लोगों को बताकर पुलिस को सूचित किया ।

बिना विलंब किए हो पीड़ितों की मदद -सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ितों की मदद और पात्रों को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने में विलंब नहीं होना चाहिए। इसमें किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी स्तर पर कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझकर कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो वहां जिम्मेदारी सुनिश्चित कर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाए। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान समस्या लेकर सीएम योगी से मिलने पहुंचे लोगों को भरोसे का आत्मीय संबल मिला। इत्मीनान से सबकी बात सुनते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 400 लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जा करने की शिकायत किए जाने पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाएं जाएं। कहा कि प्रशासन का यह मंत्र होना चाहिए कि मनमानी किसी की नहीं चलेगी और न्याय सबको मिलेगा। कुछ प्रकरणों पर मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देशित किया कि यह भी पता लगाएं कि यदि किसी को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला है तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। हर पीड़ित की त्वरित मदद की जाए। हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में कई लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें। इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी।

शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला भी पहुंचे। यहां उन्होंने गोवंश को दुलारा और उनकी सेवा की। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से गोवंश को गुड़ खिलाया और गोवंश की देखभाल के लिए गोशाला के स्वयंसेवकों को जरूरी निर्देश दिए।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर सबके मुंह सिले हुए हैं -मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता–अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हिंदुओं की रक्षा करना हमारा दायित्व है। आज जब बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है तो सबके मुंह सिले हुए हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को अयोध्या के मिल्कीपुर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है तो सबके मुंह सिले हुए हैं कोई नहीं बोल रहा है लेकिन हिंदुओं की रक्षा करना हमारा दायित्व है। एक मानव के नाते उसकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। उन्होंने सभी विपक्षी पार्टियों को निशाने पर लेते हुए कहा कि ये लोग हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर इसलिए नहीं बोल रहे हैं कि उन्हें पता है कि इससे उन्हें वोट नहीं मिलेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ अयोध्या के मिल्कीपुर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हम हिंदुओं को बचाने के लिए आवाज उठाते रहेंगे। मानवता की रक्षा के लिए आवाज उठाते रहेंगे। जब जब राक्षसी प्रवृत्तियां ताकतवर होंगी हमें एकजुट होना होगा। भगवान श्रीराम तो राजकुमार थे चाहते तो अयोध्या में राज करते पर पिता का वचन निभाने के लिए निकल गए क्योंकि उन्हें राक्षसों का सर्वनाश करना था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनने से भगवान श्रीराम की नगरी को दुनिया भर में पहचान मिली है। दुनिया भर से रामभक्त दर्शन करने के लिए आ रहे हैं। अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। विकास हो रहा है। विश्व में अयोध्या की नई पहचान बन रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर एयरपोर्ट से राजकीय वायुयान से महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या पहुंचे। यहां से अयोध्या विद्यापीठ कॉलेज की तरफ गए। मिल्कीपुर में जनसभा के लिए बड़ी संख्या मे लोग आए। बारिश के चलते कार्यक्रम स्थल मार्ग पर कीचड़ हो गया। लोगों को लंबी दूरी पैदल तय कर कार्यक्रम स्थल पर आना पड़ा रहा है। पार्किंग काफी दूर होने से लोगों को परेशानी हुई।

लड़की का अपहरण करके घर वालों को मंदिर बुलाया, फिर माता-पिता के सामने ही भरी बेटी की मांग में सिंदूर

संवाददाता–गोरखपुर। जिले एक सनसनीखेज मामला सामने आया। यहां एक युवक ने लड़की का अपहरण कर लिया। अपहरणकर्ता ने फोन करके लड़की के माता–पिता को सूचना दी और फिर दोनों को एक मंदिर पर बुलाया। अपहरणकर्ता लड़की के साथ मंदिर पहुंचा। वहां लड़की के माता–पिता भी आ गए। लड़की का अपहरण करने वाला लड़की के माता पिता से बातचीत करने लगा। लड़की के माता–पिता आरोपी युवक को समझाने में लग गए, इसी दौरान अपहरणकर्ता ने लड़की के मां–बाप के सामने ही लड़की के साथ कुछ ऐसी हरकत कर डाली, जिससे देखकर उन्होंने माथा पकड़ लिया। इसके बाद लड़की के घर वाले थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई।

पूरा मामला पिपराइच थाना क्षेत्र का है। यहां के रहने वाले पीड़ित परिवार ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि पड़ोस के रहने वाले अजय निषाद ने उसकी 17 साल की बेटी का कुछ दिन पहले अपरण कर लिया। बेटी के अचानक गायब होने के बाद उसकी खोजबीन शुरू की गई। काफी मशक्कत के बाद पता चला कि उसकी बेटी का अपहरण हुआ है। अपहरण करने वाले ने उसकी बेटी को अपनी रिश्तेदारी में रखा था। कुछ दिन बाद अजय निषाद ने लड़की के पिता को फोन किया और कहा कि आप लोग मेरे पास आइए। पीड़िता की मांग ने बताया पति के साथ आरोपी के बताए स्थान पर पहुंची तो वहां एक मंदिर था। वहां पर कई लोग मौजूद थे। वह जब आरोपी से बातचीत करने लगे तो आरोपी ने इसी दौरान उसकी बेटी की मांग में सिंदूर भर दिया। फिर बोला कि अब तो शादी हो गई अब आप क्या करेंगे।

पीड़िता की मां ने एसएसपी को बताया इस मामले की शिकायत लेकर थाने पहुंचे। उसकी शिकायत तो दर्ज कर ली गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुआ। आरोपी के पास अभी भी उसकी बेटी है। उसकी बरामदगी अभी तक नहीं हुई है। आरोपी आए दिन जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़ित की शिकायत सुनने के बाद एसएसपी ने पिपराइच पुलिस को आरोपी की गिरफ्तारी और लड़की की बरामदगी के लिए निर्देशित किया है।

मुख्यमंत्री ने मृतक आश्रित महिलाओं को बांटा चेक, एक अन्य बीमार को दिया डेढ़ लाख

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में दो मृतक आश्रित महिलाओं को क्रमशः पांच और दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि सौंपी और भरोसा दिलाया कि दुख और संकट की हर परिस्थिति में सरकार उनके साथ खड़ी है। दरअसल,खजनी क्षेत्र के बेलवाडाढ़ी निवासी धर्मात्मा सिंह के निधन के बाद परिवार को आर्थिक संबल की आवश्यकता को देखते हुए सीएम योगी ने उनकी पत्नी श्रीमती कमलेश सिंह को मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच लाख रुपये की सहायता राशि का चेक सौंपा। गोरखनाथ मंदिर में चेक देने के साथ मुख्यमंत्री ने परिवार का हाल जाना और आश्वस्त किया कि संकट में मदद करने में उनकी सरकार हमेशा तत्पर है। इस अवसर पर सहजनवा के विधायक प्रदीप शुक्ल भी मौजूद रहे।शनिवार सुबह सीएम योगी ने महानगर के सूरजकुंड कॉलोनी निवासी श्रीकृष्ण अरुंधती मिश्रा को भी मुख्यमंत्री राहत कोष से दो लाख रुपये की आर्थिक मदद का चेक प्रदान किया। श्रीमती अरुंधती के पति सिद्धार्थ शंकर मिश्र का निधन हो गया है और उन्हें मुख्यमंत्री की तरफ से यह धनराशि मृतक आश्रित सहायता के रूप में दी गई। सीएम योगी ने उन्हें भी आश्वस्त किया कि दुख की घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है। इस दौरान गोरखपुर ग्रामीण के विधायक विपिन सिंह भी उपस्थित रहे।

शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारी के इलाज के लिए वार्ड नम्बर ग्यारह, पिपराइच निवासी चंदन जायसवाल, पुत्र दयानंद जायसवाल को डेढ़ लाख रुपये की आर्थिक सहायता की धनराशि का चेक प्रदान किया। यह धनराशि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से उपलब्ध कराई गई है।

पंचकोसी परिक्रमा से पहले बनकर तैयार हो जाएगा फोर लेन पंचकोसी परिक्रमा मार्ग

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में नवम्बर माह के दौरान आयोजित होने वाली पंचकोसी परिक्रमा से पहले बनाए जा रहे फोर लेन परिक्रमा मार्ग का निर्माण एवं सड़क चौड़ीकरण पूरा कर लिया जाएगा। लोक निर्माण विभाग द्वारा अब तक 55 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। अयोध्या के विकास के लिए केन्द्र व प्रदेश सरकार अरबों रुपये के बजट से विभिन्न परियोजनाएं चला रही है। अयोध्या की प्रसिद्ध पंचकोसी परिक्रमा में देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु अयोध्या आकर परिक्रमा करते हैं। श्रद्धालुओं को परिक्रमा के लिए सुगम मार्ग उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश की योगी सरकार फोर लेन का निर्माण करा रही है। पंचकोसी परिक्रमा मार्ग को फोर लेन करने व सड़क का चौड़ीकरण करने के लिए प्रदेश सरकार ने 473.22 करोड़ की लागत से फोर लेन का निर्माण प्रारम्भ कराया है। सड़क की लम्बाई 9.025 किलोमीटर है। पंचकोसी परिक्रमा का निर्माण 16 अक्टूबर 2023 से प्रारम्भ हुआ। अबतक लगभग 55 प्रतिशत सड़क निर्माण पूरा हो चुका है। बता दें कि नव्य, भव्य राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति स्थापित होने के बाद यह पहली पंचकोसी परिक्रमा होगी। ऐसे में यह माना जा रहा है कि अयोध्या की 14 कोसी परिक्रमा में तो श्रद्धालुओं की अपार भीड़ जुटेगी साथ ही पंचकोसी परिक्रमा में भी भारी भीड़ जुटने की संभावना है। ऐसे में फोरलेन का निर्माण करा रही निर्माण इकाई लोक निर्माण विभाग 26 नवम्बर 2024 तक पंचकोसी परिक्रमा मार्ग को फोर लेन के रूप में तैयार कर लेना चाहता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समीक्षा बैठक में इस बात पर जोर दिया गया है कि पंचकोसी परिक्रमा से पहले हर हाल में पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण को पूरा कर लिया जाए।

स्टंटबाजी रोकने के लिए चला चेकिंग अभियान, 25 गाड़ियां सीज

संवाददाता–गोरखपुर। अगर आज के बाद आप किसी युवा को तेज रफ्तार ट्रेन के सामने पटरी के पास खड़े होकर सेल्फी लेते या फिर बाइक पर स्टंट दिखाते देखें तो एक पल में ही उनके लिए कोई खराब राय बनाने से पहले एक बार जरूर सोचें। अगर आप डॉक्टरों की नजर से देखेंगे तो आप भी शायद उन्हें मासूम मानने लगेंगे। डॉक्टरों की मानें तो युवा ऐसा दिमाग में मौजूद एक खास तरह के रसायन के प्रभाव में करते हैं। 17 से 19 साल के नौजवान पहले से ही मेल हार्मोंस की वजह से आवेग में रहते हैं, ऊपर से ब्रेन केमिकल्स डोपामिन के स्रावित होने के चलते उन्हें हर काम को उसके उच्चतम स्तर पर करने में मजा आता है। इसी अति मजे की चाह में वे अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। किशोरावस्था से युवावस्था की तरफ बढ़ रहे नौजवानों में ऊर्जा का स्तर अन्य उम्र के लोगों से अधिक होता है। मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. तापस कुमार आईच बताते हैं कि शरीर में स्रावित हार्मोंस हर उम्र को अलग–अलग तरीके से प्रभावित करते हैं। 17 से 19 साल की उम्र में स्रावित मेल हार्मोंस टेस्टोस्टोरेन की वजह से आवेग बढ़ा होता है। इस स्थिति में युवा दूसरों का ध्यान अपनी तरफ खींचने के लिए तरह–तरह की हरकतें करते हैं। इसी दौरान उनके दिमाग से डोपामिन नाम का एक ब्रेन केमिकल स्रावित होता है। डोपामिन की खासियत है कि यह आनंद के लिए हर बार कुछ नया करने को प्रेरित करता है। उस वक्त अगर आप पढ़ाई कर रहे हैं तो वह आपको और अधिक पढ़ने को प्रेरित करता है। लेकिन, अगर आप सिगरेट पी रहे हैं तो आपको उससे भी अधिक नशीले पदार्थ का सेवन करने को प्रेरित करेगा। एक और ब्रेन केमिकल है सेराटोनिन, वह भी डोपामिन की तरह ही आवेग को और अधिक बढ़ाता है। ऐसे में अगर इनका स्राव अधिक होता है तो युवा सामान्य से अलग हटकर हरकत करने लगते हैं। एड्रेनल ग्रंथि से स्रावित हार्मोंस एड्रानलिन की वजह से भी व्यवहार में तेजी से परिवर्तन आता है। इसके अधिक स्राव से कई बार ब्लड प्रेशर भी बढ़ा हुआ होता है। इस हार्मोंस की अधिकता की वजह से कई बार युवाओं का व्यवहार अधिक झगड़ालू हो जाता है। ऐसे में अगर युवा का खुद पर नियंत्रण कमजोर होगा तो उसके व्यवहार में आया परिवर्तन उसे झगड़े में शामिल करा देगा। हार्मोंस विशेषज्ञ डॉ. कन्हैया अग्रवाल बताते हैं कि हार्मोंस की कमी या अधिकता का भोजन से सीधा संबंध है। आजकल युवाओं में खाने–पीने को लेकर शौक बढ़ा है। उनके भोजन में अधिक तला भुना मसालेदार खाद्य सामग्री के साथ–साथ शराब–बीयर का भी चलन बढ़ा है। एक तो वैसे ही किशोरावस्था से युवावस्था में जाते वक्त शरीर में सभी हार्मोंस और रसायनों का उत्सर्जन तीव्र होता है, ऊपर से तेल–मसालेदार खाना, एल्कोहल की मात्रा हार्मोंस के स्तर को भी बिगाड़ती है। इससे शारीरिक व मानसिक संतुलन बिगड़ने लगता है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के सर्जन डॉ. अभिषेक जीना बताते हैं कि इमरजेंसी वार्ड में पेट व सिर में गंभीर चोट लगने से भर्ती 18 से 25 साल के युवाओं की संख्या अब 30 फीसदी से भी ऊपर पहुंचने लगी है। इलाज के दौरान जब हादसे की वजह जानी जाती है तो 70 फीसदी मामले अत्यधिक तेज गति से बाइक चलाने के ही आ रहे हैं। इन घायल में भी 35 फीसदी मामले ऐसे आते हैं, जिनमें उनकी जान बचाने के लिए तत्काल आंत की सर्जरी जरूरी होती है। समय रहते इलाज के लिए आए युवा की जान तो बच जाती है, लेकिन उन्हें पूरा जीवन क्षतिग्रस्त आंत या शरीर के अन्य अंगों की टूट–फूट के साथ ही जीना पड़ता है।

क्षेत्रीय कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0

नवीन मण्डी स्थल–बस्ती

पत्रांक निर्माण/निविदा/बस्ती /2024–138 दिनाक 09.8.2024

ई-निविदा शुद्धि पत्र सूचना

कार्यालय पत्रांक पत्रांक नि०ब०/ (ई–निविदा)/ 2023–130 दिनाक 05.08.2024 द्वारा ई–टेंडरिंग के माध्यन से दिनांक– 13.08.2024 को ई–निविदा आमंत्रित की गयी थी। अपरिहार्य कारणों से निविदा अपलोड करने एवं खुलने की तिथि में आशिक संशोधन करने के पश्चात सम्बन्धित निविदा अब वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर दिनांक–17.08. 2024 को अपरान्ह 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। जो दिनांक–12.30 बजे से अधोहस्ताक्षरी वो कार्यालय में खोली जायेगी। शेष नियम एवं शर्ते पूर्ववत् रहेंगी।

उपनिदेशक (निर्माण)

तद्दिनांक।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

नं0मु0– /2023

धारा 30 उ0प्र0रा0सं02006

अदालत– श्रीमान अपर जिलाधिकारी बस्ती जिला–बस्ती

राजदेव यादव

बनाम

उ0प्र0 सरकार आदि

1. मदन गोपाल पुत्र शिववरन 2. रामदुलारे पुत्र सीताराम निवासीगण ओठघनपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 3. उ0प्र0 सरकार जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 14–08–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 14 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

वाद संख्या 139/2022

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/ नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

शहरून आदि

बनाम

सहीदुननिशा आदि

1. श्रीमती सहीदुननिशा उम्र करीब 40 साल पुत्री मतीबुल्लाह पत्नी गज्जू 2. श्रीमती सलीमुननिशा आयु करीब 35 साल पत्नी गज्जू 3. गज्जू पुत्र मुस्तकीम आयु करीब 45 साल साकिनान खरगौरा जिला बलरामपुर हाल मुकाम बढ़नी लाला त0 खजहनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर 4. किम्मल उर्फ समसुल्लाह आयु करीब 52 साल पुत्र शहादत 5. मतबुल आयु करीब 20 साल पुत्र किम्मत उर्फ शमसुल्लाह साकिनान सिहोखा त0 खजहनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ पो0 मोहनकोला जनपद–सिद्धार्थनगर 6.स्टेट आफ यू0पी0 द्वारा कलेक्टर सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 22–08–2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **22–08–2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 06.08. 2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

जमीन विवाद में भाइयों में मारपीट, सात के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के जंगल एकला नंबर दो टोला घोलवा में शुक्रवार को दो भाइयों के बीच जमीन बंटवारे को लेकर मारपीट हो गई। दोनों पक्षों की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने सात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

क्षेत्र के जंगल एकला नंबर दो टोला घोलवा निवासी मुसाफिर और रामभवन सगे भाई हैं। दोनों भाई जमीन के बंटवारे को लेकर शुक्रवार की दोपहर विवाद कर लिए। मुसाफिर का आरोप है कि जमीन के बंटवारे को लेकर भाई रामभवन और उसकी पत्नी संगीता, भतीजा राजन, भतीजी संजना गाली गुप्ता देते हुए लाठी–डंडे से हमला कर मुसाफिर का सिर फोड़कर घायल कर दिए।

वहीं रामभवन का कहना है हम अपनी मोटर साइकिल लेकर कही जा रहे थे कि भाई मुसाफिर, बृजेश और प्रदीप जमीन विवाद को लेकर मेरी मोटर साइकिल की चाभी छीन लिए और लाठी–डंडे से पिटाई कर घायल कर दिया। बीच बचाव करने बेटा राजन पहुंचा तो उसका मारपीट कर सिर फोड़ दिया। गुलरिहा पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर सात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

वाद संख्या 307/2023

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/ नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

हरिवंश

बनाम

मालती आदि

1. मालती उम्र 50 वर्ष विधवा महेन्द्र 2. सूरज उम्र 22 वर्ष पुत्र महेन्द्र 3. नीरज उम्र 10 वर्ष 4. मदन उम्र 15 वर्ष पुत्रगण महेन्द्र संरक्षिका माता मालती सभी निवासी मौजा अकरा तप्पा बरहो परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 30–09–2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **30–09–2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 09.08. 2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष 2013 अनुक्रमांक 2373146 एवं इण्टर मीडिएट वर्ष 2015 अनुक्रमांक 1900255 का अंक पत्र एवं सह प्रमाण–पत्र (सनद) वास्तव में खो गया है।

(कु. अर्चना गुप्ता)

पुत्री– श्री श्रवण कुमार गुप्ता

ग्राम– व पोस्ट– राजपुर बैरियहवा

जनपद बस्ती (उ.प्र.)

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

मुकदमा सं0

धारा 24 उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

राधेश्याम

बनाम

ग्राम पंचायत

1. मो0 अरशद 2. मो0 शमसाद 3. जुबेर पुत्रगण शफी मोहम्मद 4. मुक्कैश जहां पत्नी शफी मो0 5. अब्दुल लतीफ 6. अब्दुल कयूम पुत्रगण मो0 शहजाब साकिनान मौजा सेमरा मुस्तहकम तप्पा चंवर परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 13–08–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 13 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दहेज हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। बांसगांव पुलिस ने दहेज हत्या के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान पति सत्यजीत, उसके पिता प्रदीप कुमार और मां गुड्डी के रूप में हुई है। दरअसल, महिला का शव फंदे से लटकता मिला था, इसके बाद पिता ने दहेज हत्या का केस दर्ज कराया था। आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर शनिवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया।

वीरांगना फूलन देवी की 61वीं जयंती मनी

संवाददाता–गोरखपुर। निषाद कल्याण सभा के मण्डल अध्यक्ष कांग्रेस नेता दिलीप कुमार निषाद की अध्यक्षता में झरना टोला स्थित कैम्प कार्यालय पर दिवंगत पूर्व सांसद फूलन देवी की 61वीं जयंती मनी। शुरुआत उनके चित्र पर माल्यार्पण कर एवं उनके जीवन संघर्ष को स्मरण किया गया।

मण्डल अध्यक्ष दिलीप कुमार निषाद बताया कि पूर्व सांसद स्वर्गीय फूलन देवी का जीवन बचपन से ही संघर्षमय रहा। तमाम विपरीत परिस्थितियों में भी संघर्ष करती रहीं। वे एक नीडर महिला थीं, अन्याय के खिलाफ आवाज उठाती रहीं। अन्याय करने वालों की घोर विरोधी रही हैं। देवेन्द्र निषाद धनुष ने कहा कि वीरांगना पूर्व सांसद स्वर्गीय फूलन देवी शक्तिशाली नारी थीं।

उनकी सोच और विचार निर्णायक साबित हुई जिससे सभी नारियों को एक ऊर्जा शक्ति मिली। समारोह में चौधरी रमेश चन्द निषाद, मुन्नी देवी, सुदीप निषाद, शुभम निषाद, मोनू निषाद, राहुल निषाद, विपुल निषाद, बनारसी निषाद, अरुणेन्द्र कान्त वर्मा समेत अन्य उपस्थित रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**

bhartiyabasti@gmail.com